



सरकारी गजट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेशीय सरकार द्वारा प्रकाशित

असाधारण

विधायी परिशिष्ट

भाग-3, खण्ड (क)

(उत्तर प्रदेश विधान मण्डल के विधेयक)

लखनऊ, बृहस्पतिवार, 9 मार्च, 2023

फाल्गुन 18, 1944 शक सम्वत्

विधान सभा सचिवालय

उत्तर प्रदेश

(संसदीय अनुभाग)

संख्या 211/वि०स०/संसदीय/०८(सं)-2023

लखनऊ, 22 फरवरी, 2023

अधिसूचना

प्रकीर्ण

उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल (सदस्यों की उपलब्धियाँ और पेंशन) (संशोधन) विधेयक, 2023, जो उत्तर प्रदेश विधान सभा के दिनांक 22 फरवरी, 2023 के उपवेशन में पुरःस्थापित किया गया, उत्तर प्रदेश विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली, 1958 के नियम 126 के अन्तर्गत एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है।

उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल (सदस्यों की उपलब्धियाँ और पेंशन)
(संशोधन) विधेयक, 2023

उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल (सदस्यों की उपलब्धियाँ और पेंशन)
अधिनियम, 1980 का अग्रतर संशोधन करने के लिए

विधेयक

भारत गणराज्य के चौहत्तरवें वर्ष में निम्नलिखित अधिनियम बनाया जाता है :-

1-(1) यह अधिनियम उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल (सदस्यों की उपलब्धियाँ और पेंशन) (संशोधन) अधिनियम, 2023 कहा जायेगा।

संक्षिप्त नाम व
प्रारम्भ

(2) यह गजट में प्रकाशित किये जाने के दिनांक से प्रवृत्त होगा।

उत्तर प्रदेश
अधिनियम संख्या
23 सन् 1980 की
धारा 26-क का
संशोधन

2-(1) उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल (सदस्यों की उपलब्धियाँ और पेंशन)
अधिनियम, 1980 की धारा 26-क में, उपधारा (1) तथा उपधारा (2) में, शब्द "दस
हजार" के स्थान पर शब्द "पच्चीस हजार" रख दिये जायेंगे;

उद्देश्य और कारण

राज्य विधान मण्डल के सदस्यों को वेतन, भत्तों का भुगतान तथा अन्य सुविधाओं से सम्बन्धित विधि को समेकित एवं संशोधित किये जाने हेतु उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल (सदस्यों की उपलब्धियाँ और पेंशन) अधिनियम, 1980 अधिनियमित किया गया है।

पूर्वोक्त अधिनियम के अधीन राज्य विधान मण्डल के किसी भी सदन के भूतपूर्व सदस्य पेंशन तथा अन्य प्रसुविधाएं प्राप्त करने के हकदार हैं। पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 26-क की उपधारा (2) के अधीन मृत भूतपूर्व सदस्यों के पति/पत्नियाँ भी पारिवारिक पेंशन पाने के हकदार हैं। उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल (सदस्यों की उपलब्धियाँ और पेंशन) (संशोधन) अधिनियम, 2016 के माध्यम से पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 24 की उपधारा (1) को संशोधित करके भूतपूर्व सदस्यों के लिए अनुमन्य पेंशन को दस हजार रुपये से बढ़ाकर पच्चीस हजार रुपये कर दिया गया। अतएव उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल (सदस्यों की उपलब्धियाँ और पेंशन) (संशोधन) अधिनियम, 2016 के प्रारम्भ होने के दिनांक अर्थात् दिनांक 11 सितम्बर, 2016 के पश्चात् मृत भूतपूर्व सदस्यों के पति/पत्नियाँ, न्यूनतम पच्चीस हजार रुपये पेंशन अथवा मृत भूतपूर्व सदस्य को अन्यथा अनुमन्य पेंशन, जो भी अधिक हो, के लिए हकदार हैं। किन्तु पूर्वोक्त अधिनियम, 2016 के प्रारम्भ होने से पूर्व मृत भूतपूर्व सदस्यों के पति/पत्नियों की पारिवारिक पेंशन, पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 26-क की उपधारा (2) के उपबन्ध के अनुसार अधिकतम दस हजार रुपये अथवा मृत भूतपूर्व सदस्य को अन्यथा अनुमन्य सीमा तक सीमित है। अतएव ऐसे पति/पत्नियाँ, दिनांक 11 सितम्बर, 2016 के पश्चात् मृत भूतपूर्व सदस्यों के पति/पत्नियों की तुलना में बहुत कम पारिवारिक पेंशन प्राप्त कर रहे/रही हैं। इस विसंगति को दूर करने और ऐसे पति/पत्नियों को पच्चीस हजार रुपये न्यूनतम पारिवारिक पेंशन की प्रसुविधा प्रदान किये जाने का उपबन्ध करने के लिए पूर्वोक्त अधिनियम में संशोधन किये जाने का विनिश्चय किया गया है।

तदनुसार उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल (सदस्यों की उपलब्धियाँ और पेंशन) (संशोधन) विधेयक, 2023 पुरःस्थापित किया जाता है।

सुरेश कुमार खन्ना
मंत्री,
संसदीय कार्य।

उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल (सदस्यों की उपलब्धियाँ और पेंशन) (संशोधन) विधेयक, 2023 के सम्बन्ध में वित्तीय ज्ञापन-पत्र।

उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल (सदस्यों की उपलब्धियाँ और पेंशन) (संशोधन) विधेयक, 2023 के खण्ड-2 द्वारा दिनांक 16 सितम्बर, 2016 से पूर्व दिवंगत विधान मण्डल के भूतपूर्व सदस्यों के आश्रित पति/पत्नी को अनुमन्य पारिवारिक पेंशन की न्यूनतम धनराशि में वृद्धि की जा रही है, जिसके फलस्वरूप उक्त विधेयक के प्रावधानों के प्रवर्तन में आने पर राज्य की समेकित निधि से व्यय अंतर्ग्रस्त है। इस सम्बन्ध में लगभग रु0 5,44,16,000.00 (रुपये पाँच करोड़ चौवालीस लाख सोलह हजार मात्र) का अतिरिक्त आवर्तक व्यय अनुमानित है।

सुरेश कुमार खन्ना
मंत्री,
संसदीय कार्य।

उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल (सदस्यों की उपलब्धियाँ और पेंशन) (संशोधन) विधेयक, 2023 द्वारा संशोधित की जाने वाली मूल अधिनियम की संगत धारा का उद्धरण।

उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल (सदस्यों की उपलब्धियाँ और पेंशन) अधिनियम, 1980

धारा

[26-क (1) यदि सदस्यता की अवधि के दौरान किसी आसीन सदस्य की मृत्यु हो जाय तो मृत्यु के समय दिवंगत सदस्य को अन्यथा अनुमन्य पेंशन या रुपये दस हजार की पेंशन जो भी अधिक हो, के बराबर पारिवारिक पेंशन का ऐसा पति/पत्नी आजीवन हकदार हो जायेगा।

(2) यदि भूतपूर्व सदस्य, जो धारा 24 की उपधारा (1) के अन्तर्गत पेंशन का हकदार हो, की मृत्यु हो जाय, तो मृत्यु के समय ऐसे भूतपूर्व सदस्य की पेंशन या रुपये दस हजार की पेंशन जो भी अधिक हो पारिवारिक पेंशन का ऐसा पति/पत्नी आजीवन हकदार हो जायेगा।]

[परन्तु यह कि यदि पति/पत्नी धारा 3 के अन्तर्गत वेतन अथवा धारा 24 की उपधारा (1) के अन्तर्गत किसी पेंशन का हकदार हो, तो वह उपधारा (1) या उपधारा (2) के अन्तर्गत पारिवारिक पेंशन का हकदार नहीं होगा।]

आज्ञा से,
प्रदीप कुमार दुबे,
प्रमुख सचिव।

UTTAR PRADESH SARKAR
SANSADIYA KARYA ANUBHAG-1

No. 821/XC-S-1-23-02S-2023
Dated Lucknow, March 9, 2023

NOTIFICATION

MISCELLANEOUS

IN pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the "Uttar Pradesh Rajya Vidhan Mandal (Sadasyon ki Upalabdhiyan aur Pension) (Sanshodhan) Vidheyak, 2023" introduced in the Uttar Pradesh Legislative Assembly on February 22, 2023.

THE UTTAR PRADESH STATE LEGISLATURE (MEMBERS' EMOLUMENTS
AND PENSION) (AMENDMENT) BILL, 2023

A
BILL

further to amend the Uttar Pradesh State Legislature (Members' Emoluments and Pension) Act, 1980 .

IT IS HEREBY enacted in the Seventy fourth Year of Republic of India as follows :-

1. (1) This Act may be called the Uttar Pradesh State Legislature (Members' Emoluments and Pension) (Amendment) Act, 2023. Short title and commencement

(2) It shall come into force with effect from the date of its publication in the Gazette.

Amendment of
section 26-A of
U.P. Act no. 23 of
1980

2. (1) In section 26-A of the Uttar Pradesh State Legislature (Members' Emoluments and Pension) Act, 1980, in sub-sections (1) and (2) for the words "ten thousand" the words "twenty five thousand" shall be *substituted*.

STATEMENT OF OBJECTS AND REASONS

The Uttar Pradesh State Legislature (Members' Emoluments and Pension) Act, 1980 has been enacted to consolidate and amend the law relating to payment of salaries, allowances and other facilities to the members of the State Legislature.

Under the aforesaid Act, the *ex-members* of either house of State Legislature are entitled to get pension and other benefits. The spouses of deceased *ex-members* are also entitled to get family pension under sub-section (2) of section 26-A of the aforesaid Act. Through the Uttar Pradesh State Legislature (Members' Emoluments and Pension) (Amendment) Act, 2016, the pension admissible to *ex-members* was raised from rupees ten thousand to rupees twenty five thousand by amending the sub-section (1) of section 24 of the aforesaid Act. Therefore the spouses of those *ex-members* who expired after the commencement of the Uttar Pradesh State Legislature (Members' Emoluments and Pension) (Amendment) Act, 2016 *i.e.*, September 11, 2016, are entitled to a minimum pension of rupees twenty five thousand or pension otherwise admissible to the deceased *ex-member*, whichever is greater. But the family pension of spouses of those *ex-members* who expired before the commencement of the aforesaid Act of 2016 is confined to a maximum limit of rupees ten thousand or pension as otherwise admissible to the dues *ex-members* as per the provision of sub-section (2) of section 26-A of the aforesaid Act. Therefore such spouses are getting much less family pension as compared to spouses of those *ex-members* who expired after September 11, 2016. To remove this discrepancy and to provide for giving the benefit of a minimum family pension of rupees twenty five thousand to such spouses, it has been decided to amend the aforesaid Act.

The Uttar Pradesh State Legislature (Members Emoluments and Pension) (Amendment) Bill, 2023 is introduced accordingly.

SURESH KUMAR KHANNA

Mantri,

Sansadiya Karya.

By order,

J. P. SINGH-II,
Pramukh Sachiv.